भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4407
20 मार्च, 2020 को उत्तर दिए जाने के लिए

कृषि से संबंधित मौसम पूर्वानुमान

4407. श्री गोपाल शेट्टीः
श्री प्रतापराव जाधवः
श्री दुलाल चन्द्र गोस्वामीः
श्री मितेष पटेल (बकाभाई):

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मौसम का पूर्वानुमान भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) का महत्वपूर्ण कार्य है;
(ख) यदि हां, तो विभाग उन गरीब किसानों की मदद किस तरह से कर रहा है जो अपनी फसलों के लिए पूरी तरह से मौसम पर निर्भर करते हैं;
(ग) क्या सरकार ने कृषि क्षेत्र में जोखिमों का समाधन करने और किसान को पूर्व जानकारी प्रदान करने के लिए उन्नत सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के मद्देनजर कृषि से संबंधित मौसम पूर्वानुमान सेवाओं को सशक्त बनाने के लिए कोई कदम उठाए हैं;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन चुनौतियों से निपटने के लिए आईएमडी की क्षमता कितनी है; और
(ङ) जिला स्तर पर कृषि के संबंध में मौसम संबंधी सटीक और क्षेत्र विशेष की जानकारी के प्रसार के लिए मशीनों और उपकरणों के आधुनिकीकरण और विकास के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गयी है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

(क) जी, हाँ। विभिन्न स्थानिक और कालिक पैमानों में मौसम का पूर्वानुमान भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की प्रमुख कार्यों में से एक है।

(ख) से (घ) भारत मौसम विज्ञान विभाग देश में कृषक समुदाय के लाभ के लिए ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (जीकेएमएस) योजना के तहत एक सक्रियात्मक कृषि मौसम परामर्शी सेवा (एएएस) प्रदान करता है। जीकेएमएस के तहत, जिला स्तर पर मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान (5 दिन तक) जारी किए जाते हैं। इन पूर्वानुमानों के आधार पर किसानों के लिए प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को दिन-प्रतिदिन के कृषि कार्यों पर निर्णय लेने के लिए राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद संस्थानों (ICAR) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IITs) आदि में स्थित 130 कृषि मौसम विज्ञान क्षेत्र इकाइयों (AMFU) द्वारा कृषि परामर्शिकाएं तैयार और संप्रेषित की जाती हैं। आईएमडी द्वारा प्रदान किया गया एएएस मौसम आधारित फसल और पशुधन प्रबंधन रणनीतियों और असामान्य मौसम के कारण फसल के नुकसान और क्षति को कम करने के अलावा फसल उत्पादन और खाद्य सुरक्षा को बढ़ाने के लिए समर्पित कार्यों की दिशा में एक कदम है।

ICAR के सहयोग से IMD देश में ब्लॉक स्तर पर AAS के कार्यान्वयन में लगा है। जिला कृषि मौसम इकाइयां (डीएएमयू) आईसीएआर नेटवर्क के तहत कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) में स्थापित की जा रही हैं। ब्लॉक स्तर पर एएएस के कार्यान्वयन से मौसम और जलवायु में सूक्ष्म-स्तर की भिन्नता का पता चलेगा और इससे, अधिक संख्या में किसान लाभान्वित होंगे।

(ड.) सरकारी निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड के तहत निजी कंपनियों, और से कृषि और किसान कल्याणं मंत्रालय द्वारा लांच किए गए किसान पोर्टल के माध्यम से प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, रेडियो, इंटरनेट आदि और मोबाइल फोन का उपयोग करके एसएमएस द्वारा जैसे मल्टीचैनल प्रसार प्रणाली के माध्यम से किसानों की कृषि मौसम परामर्शिकाओं के बारे में बताया जाता है ।वर्तमान में, देश में 42 मिलियन किसान एसएमएस के माध्यम से सीधे तौर पर एग्रोमेट एडवाइजरी प्राप्त कर रहे हैं। आईसीएआर के कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) ने अपने वेब पोर्टल से संबंधित जिला स्तरीय परामर्शी का भी लिंक दिया है। हाल ही में किसानों को अपने जिलों में मौसम की जानकारी और संबंधित कृषि मौसम संबंधी सलाह प्राप्त करने में मदद के लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा "मेघदूत" नामक एक नया मोबाइल ऐप लांच किया गया है।

*****